PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Rashtriya Sahara, Delhi
Sun, 04 Jun 2017, Page 1
Width: 12.87 cms, Height: 14.12 cms, a4, Ref: 29.2017-06-04.9

ईवीएम हैकिंग : सभी दल बैकफुट पर

■ नई दिल्ली।

मुख्य चुनाव आयुक्त जैदी ने बताया, राकांपा और माकपा ने सिर्फ तकनीकी पहलुओं पर भ्रांति दूर करने कहा

चुनाव आयोग ने बहुप्रतीक्षित 'ईवीएम चुनौती' का शनिवार को यहां आयोजन किया, जिसमें मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रतिनिधि आए लेकिन उन्होंने मशीनों में छेड़छाड़ या हैकिंग की कोई प्रयास नहीं किया।

माकपा के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे यह साबित करने के लिए नहीं आए थे कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) में छेड़छाड़ की जा सकती है, बल्कि वे इन मशीनों की प्रक्रिया विस्तार से समझना चाहते थे। राकांपा के प्रतिनिधियों ने भी ईवीएम की प्रक्रिया समझनी चाही और कहा कि उन्हें महाराष्ट्र में हुए नगर निगम चुनावों में इस्तेमाल की गई ईवीएम मशीनों को लेकर संदेह है।

मुख्य चुनाव आयुक्त नसीम जैदी ने बताया कि माकपा और राकांपा ईवीएम चुनौती में शामिल होने आई थीं, लेकिन उन्होंने कहा कि वे ईवीएम की प्रक्रिया को विस्तार से समझना चाहते हैं। माकपा ने आयोग के तकनीकी समिति के सदस्यों के साथ बातचीत की और ईवीएम की प्रक्रिया को समझने के बाद इसपर संतोष जताया। माकपा ने सुझाव दिया कि आयोग को तकनीकी समिति के सदस्यों के साथ समय-समय पर इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। आयोग ने उन्हें इसपर गौर करने का आश्वासन दिया। (वार्ता)